संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -305 शुक्रवार ,06 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती घटना कलम बंद

सरगुजा कलेक्टर किसके दबाव में कर रहे हैं काम

नियम विरूद्ध बुलडोजर कार्यवाही करवाने क्यों मजबूर हुये कलेक्टर बिलास भोसकर

अपील के अधिकार से वंचित कर कुछ घंटो में ही क्यों उजाड़ दिया आशियाना

पूछकर बताईये कलेक्टर सरगुजा क्या छापें ?

सरकार ने हक छीना... कलेक्टर ने अपील का अधिकार छीना...

इंकलाब होता रहेगा... इंसाफ तक... कलम बंद का 66 वां दिन

क्या छत्तीसगढ़ के इस आईएएस के अंदर पारदर्शिता एवं अखंडता के गुण नहीं रहे ?

भूपेन्द्र सिंह-

अम्बिकापुर,05 सितम्बर 2024(घटती-घटना)।

आईएएस एक बड़ा पद होता है और पद पर बैठने वालों के लिए एक गरिमामय पद माना जाता है साथ ही इन पर काफी जिम्मेदारियां रहती हैं जो लोकतंत्र की पारदर्शिता और उसके सही संचालन की जिम्मेदारी है,एक आईएएस के अंदर पारदर्शिता और अखंडता का गुण होना अनिवार्य होता है। पर क्या वर्तमान में यह गुण आईएएस जो चयनित होकर सेवा प्रदान कर रहे हैं उनके अंदर है या फिर इन गुणों को वह अपने स्वार्थी सोच व दोषगुणों में बदल दिया है? यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में आईएएस अपने गुणों से भटक गए हैं। कलेक्टर की कुर्सी पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं अपने सिद्धांतों को भी कुचलने को तैयार है। एक सिविल सेवक के रूप में, ईमानदारी का अर्थ है लगातार सही काम करना,ईमानदार होना,तथा ऐसे मजबूत नैतिक मूल्यों को अपनाना जो डगमगाएं नहीं। एक आईएएस अधिकारी को कुछ नैतिक या सौंदर्य मूल्यों का पालन करना चाहिए, भ्रष्ट न होने वाला,स्वस्थ और संपूर्ण या अविभाजित होने का गुण व स्थिति होनी चाहिए। पर आज के परिवेश में क्या पुराने जैसे आईएएस रह गए हैं या फिर आज का नया परिवेश एक आईएएस के गुण को भूल गया है और अपने स्वार्थ सिद्धि में भिड़ा हुआ है?

आज जो देखा जा रहा है उसके अनुसार प्रशासनिक पदों में श्रेष्ठ पद के लिए मारामारी मची है और उसके लिए भ्रष्ट होने से भी ऐसे लोग नहीं चूक रहे जो इन पदों पर बैठे हैं। सरगुजा के वर्तमान कलेक्टर भोसकर विलास संदीपान व कोरिया के पूर्व कलेक्टर विनय कुमार लंहगे जो आईएस है इनकी कार्यशैली कुछ ऐसे ही थी जिनमें कलेक्टर होने के गुण नहीं थे, इनके कार्यशैलियों की चर्चा अब पूरे प्रदेश में एक उदाहरण बन चुकी है वहीं छत्तीसगढ़ के प्रदेश के कई आईएएस ऐसी कार्यशैली से अपने आप को गौरवान्वित कर रहे हैं, कहीं ना कहीं आईएएस अपने होने वाले अच्छे गुण को दोषगुण में परिवर्तित कर रहा है,कार्यशैली कुछ ऐसी ही देखने को मिल रही है दोनों आईएएस में और एक समानता है दोनों की पसंद भी फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल है। दोनों ने ही खूब मदद की प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की और अखबार के साथ दुश्मनी निकालने में इन दोनों की भूमिका भी रही महत्वपूर्ण।

दो अनमोल रतन

एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस

इस समय दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद जांच व कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

संजय मरकाम,ओएसडी,स्वास्थ्य मंत्री

कौन सी खबर प्रकाशित करें... छत्तीसगढ़ सरकार

प्रिंस जायसवाल, प्रभारी डीपीएम,सूरजपुर

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं प्रशासनिक तंत्र में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान का...66 वां दिन

कलम बंद...का 66 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

शासकीय भूमि पर काबिज

नगरीय निकाय के मतदाता नहीं देंगे भाजपा को वोट तो क्या उनके घर व प्रतिष्ठान पर भी

चल जाएगा बुलडोजर ?

1 पूर्व सरकार के द्वारा नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के कई दशकों से काबिज लोगों को भूस्वामी हक देने के लिए आबंटन/व्यवस्थापन/फ्री होल्ड के सबंध में जारी परिपत्रों/निर्देशों को निरस्त क्यों हुआ ?

1 क्या नगरी निकाय चुनाव में डरा कर वोट मांगने के लिए किया गया निरस्त है ?

1 60 प्रतिशत से अधिक आबादी नजूल व शासकीय जमीन पर स्थापित है क्या आने वाले नगरी निकाय चुनाव में कार्यवाही का भय दिखाकर अपने पक्ष में भाजपा कराएगी वोट ?

-भूपेन्द्र सिंह-
अम्बिकापुर,05 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। सत्ता परिवर्तन के बाद एक बार फिर सत्ता में वापसी करने वाली भाजपा सरकार एक आदेश को लेकर काफी सुर्खियों में है। हो सकता है कि इसका नुकसान भी भाजपा को नगरी निकाय चुनाव में उठाना पड़े,पर इस बीच यह भी संभावना जताई जा रही है कि नगरीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखकर तो कहीं पूर्व सरकार के परिपत्र व आदेश को निरस्त तो नहीं किया गया? जो आदेश व परिपत्र पूर्व सरकार का निरस्त किया गया है वह काफी अच्छी योजना थी उन लोगों के लिए जो नगरीय निकाय क्षेत्र में कई दशकों से नजूल भूमि पर काबिज थे और अपना आशियाना बनाकर जीवन यापन कर रहे थे, उन्हें सरकार भू स्वामी हक देने के लिए उसकी एक कीमत तय करके स्वतंत्रता के साथ रहने की आजादी दे रही थी,जिसे वर्तमान सरकार ने एक अखबार के प्रतिष्ठान व कार्यालय को नुकसान पहुंचाने के लिए निरस्त कर दिया, जिससे पूरे प्रदेश के लोगों को ही नुकसान हो गया। इस बीच एक और बात लोगों की जेहन में है कि कहीं नगरीय निकाय चुनावों में शासकीय जमीन पर काबीज लोगों को कार्यवाही का भय दिखाकर तो कहीं भाजपा वोट मांग कर जीतना चाहती है? और यदि वह वोट नहीं दिए तो कार्यवाही भी हो जाएगी और उन्हें लाखों का नुकसान हो जाएगा जो उन्होंने पाई-पाई जुटाकर कर अपना आशियाना बनाया था। हम आपको बताते हैं पूर्व कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद नगरीय निकाय क्षेत्र में जो नजूल व शासकीय भूमि पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं उन्हें भू-स्वामी हक देने के लिए पूर्व सरकार ने एक आदेश 2019 में निकाला था जिससे पूरे प्रदेश के 50-60 प्रतिशत आबादी के लोगों को लाभ मिलता और वह भू-स्वामी हक पा जाते जिसके लिए कई आवेदन भी लगे हुए थे,जिसमें कुछ को सरकार रहते हुए ही भूस्वामी हक प्रदान कर दिया गया था और कुछ के आवेदन अभी भी लंबित थे,लोगों को योजना का लाभ मिल सके इसके लिए नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन / व्यवस्थापन / फ्री-होल्ड के सबंध में जारी परिपत्रो/निर्देशों पूर्व सरकार ने जारी किया था उसे निरस्त कर दिया गया, इस बात से आज भी कई लोग प्रदेश में अनजान हैं पर धीरे-धीरे इस बात की जानकारी भी अब लोगों को होने लगी है निरस्त किए गए आदेश के बाद सबसे पहले कार्यवाही अंबिकापुर में स्थित एक अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठान पर की गई थी।

नए-नए राजस्व मंत्री भी नहीं समझ पाए क्या पूरे मामले को ?

पूरे मामले में राजस्व मंत्री की भूमिका को लेकर यह बात सामने आ रही है की या तो उनकी सहमति ऐसे ही ले ली गई या उन्हे बताया ही नहीं गया ,कुल मिलाकर देखा जाए तो पूरा खेल एक मंत्री की छवि बचाने के लिए खेला गया और जिससे शासन की छवि धूमिल हुई राजस्व विभाग की छवि धूमिल हुई।

निरस्त किया गया आदेश

23 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन,नवा रायपुर, अटलनगर के क्रमांक/एफ-4-14/सात 1/2024 के माध्यम से प्रदेश के सभी संभाग आयुक्त व कलेक्टर को निर्देश जारी किया गया कि नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन / व्यवस्थापन / फ्री-होल्ड के सबंध में जारी परिपत्रों/निर्देशों को निरस्त किया जाता है,इस विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-4-07/ सात-1/2019 दिनांक 11.09.2019. 26.10.2019, 20.05.2020 एवं 24.02.2022 सन्दर्भित पत्रों का कृपया अवलोकन करें। इस विभाग द्वारा जारी परिपत्र कमांक एफ-4-07/ सात-1/2019 दिनांक 11.09. 2019. 26.10.2019. 20.05.2020 एव 24.02 2022 जिसमें नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के भूमि के व्यवस्थापन एवं भूमिस्वामी हक प्रदान करने सबधी निर्देश/परिपत्रों जारी किया गया है। राज्य शासन,एतद्वारा,नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबंटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन एवं भूमिस्वामी हक प्रदान करने संबंधी पूर्व में जारी संदर्भित निर्देश/परिपत्रों को निरस्त करता है। सभी जिला कलेक्टर को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त परिपत्रों/आदेशों का परिपालन करें।

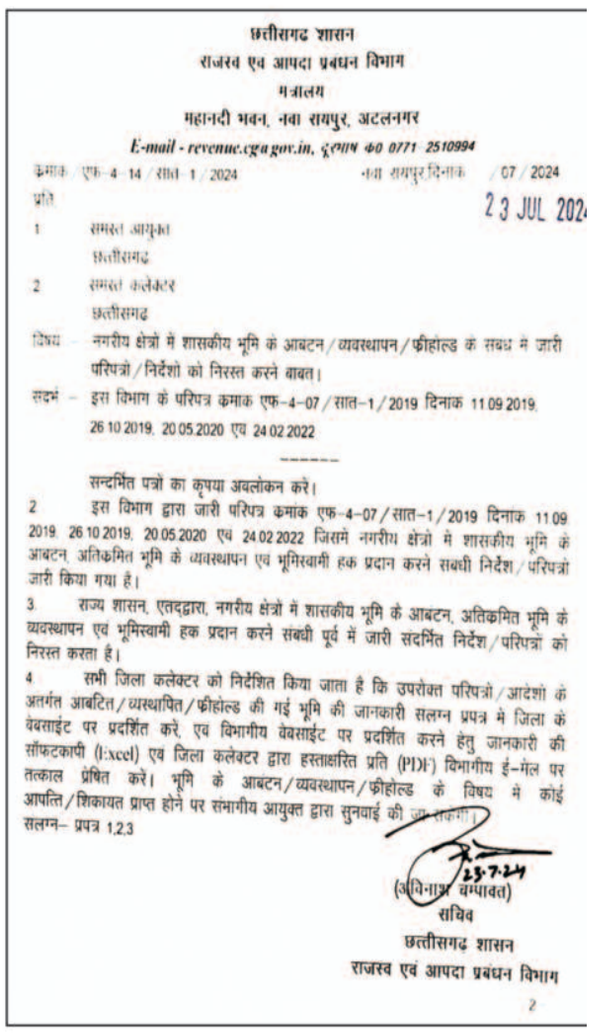

छत्तीसगढ शासन
राजस्व एव आपदा प्रबंधन विभाग
मत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर, अटलनगर
E-mail - revenue.cg@gov.in, दूरभाष क0 0771 2510994

क्रमांक एफ-4-14 / सात-1 / 2024 नवा रायपुर,दिनांक / 07 / 2024
23 JUL 2024

प्रति
1 समस्त आयुक्त
छत्तीसगढ
2 समस्त कलेक्टर
छत्तीसगढ

विषय – नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबटन / व्यवस्थापन / फ्रीहोल्ड के सबध में जारी परिपत्रों / निर्देशो को निरस्त करने बाबत।
संदर्भ – इस विभाग के परिपत्र कमाक एफ-4-07 / सात-1 / 2019 दिनाक 11.09.2019. 26.10.2019. 20.05.2020 एव 24.02.2022

सन्दर्भित पत्रों का कृपया अवलोकन करे।

2 इस विभाग द्वारा जारी परिपत्र कमांक एफ-4-07 / सात-1 / 2019 दिनाक 11.09.2019. 26.10.2019. 20.05.2020 एव 24.02.2022 जिसमें नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन एव भूमिस्वामी हक प्रदान करने सबधी निर्देश / परिपत्रों जारी किया गया है।

3 राज्य शासन, एतद्द्वारा, नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि के आबटन, अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन एवं भूमिस्वामी हक प्रदान करने संबधी पूर्व में जारी संदर्भित निर्देश / परिपत्रों को निरस्त करता है।

4 सभी जिला कलेक्टर को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त परिपत्रों / आदेशों के अतर्गत आबटित / व्यस्थापित / फ्रीहोल्ड की गई भूमि की जानकारी सलग्न प्रपत्र में जिला के वेबसाइट पर प्रदर्शित करें, एव विभागीय वेबसाईट पर प्रदर्शित करने हेतु जानकारी की सॉफटकापी (Excel) एव जिला कलेक्टर द्वारा हस्ताक्षरित प्रति (PDF) विभागीय ई-मेल पर तत्काल प्रेषित करें। भूमि के आबटन / व्यवस्थापन / फ्रीहोल्ड के विषय में कोई आपत्ति / शिकायत प्राप्त होने पर संभागीय आयुक्त द्वारा सुनवाई की जा सकेगी।
सलग्न– प्रपत्र 1,2,3

23.7.24
(अविनाश चम्पावत)
सचिव
छत्तीसगढ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

2

क्या इस आदेश के बारे में राजस्व मंत्री को भी नहीं थी जानकारी कि इससे क्या होगा नुकसान ?

नगरीय क्षेत्रों में कई दशकों से नजूल भूमि पर काबिज ऐसे लोगों के लिए जिन्होंनें अपना या तो आशियाना बनाया हुआ है या रोजगार के लिए अपने वह कोई प्रतिष्ठान संचालित कर रहे हैं को उक्त भूमि का मालिकाना हक मिल सके यह पूर्व की कांग्रेस सरकार की मंशा थी और तब सरकार ने एक योजना प्रदेश में लाई जिसके तहत ऐसे मामलों में कब्जाधारी शासन द्वारा निर्धारित मूल्य जो की जारी निर्देश अनुसार ही तय था चुकाकर मालिकाना हक प्राप्त कर सकता था। उक्त आदेश को वर्तमान सरकार ने निरस्त कर दिया और उसके तहत एक कार्यवाही भी की गई जो अंबिकापुर के एक समाचार-पत्र के कार्यालय और उसके संपादक के प्रतिष्ठान पर हुई कार्यवाही के रूप में देखा गया। वैसे कार्यवाही जो हुई अंबिकापुर में यह जो आदेश पूर्व सरकार के द्वारा जारी निरस्त किया नई सरकार ने फ्री-होल्ड जमीन मामले में वह केवल अंबिकापुर के दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र कार्यालय सहित संपादक के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही के लिए ही निरस्त किया गया आदेश था और जिसके पीछे स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ छप रही सत्य समाचारों की सीरीज थी जिसमे उनके भतीजे सहित उनके ओएसडी के फर्जी डिग्री और फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर खुद की नौकरी हथियाने का मामला था,जिससे स्वास्थ्य मंत्री व्यथित हुए और उन्होंने यह निर्देश कैबिनेट से पारित कराया और एक पूर्व सरकार के उस कानून को निरस्त किया जिससे लाखों लोगों का भला होना था वहीं मामला राजस्व विभाग से जुड़ा हुआ था और अब सवाल यह उठता है की क्या राजस्व विभाग के मंत्री जी भी इस मामले में जानकारी रखते थे। वैसे माना जा रहा है की राजस्व मंत्री को जानकारी बाद में मिली और वह इसके फायदे नुकसान से बाद में अवगत हो सके। इसका नुकसान ज्यादा है और फायदा कम वहीं यह आदेश एकमात्र समाचार-पत्र कार्यालय सहित संपादक के प्रतिष्ठान पर कार्यवाही के लिए जारी आदेश था यह माना जा रहा है।

नगरीय निकाय चुनाव में नुकसान होगा कि फायदा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा

फ्री-होल्ड जूल भूमि जो की नगरीय क्षेत्रों में काबिज लोगों के लिए पूर्व सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना थी जिसके तहत वह काबिज भूमि पर शुल्क जमा कर मालिकाना हक प्राप्त कर सकते थे मामले में निरस्तीकरण की वर्तमान सरकार की नीति का नगरीय निकाय चुनावों में सरकार को फायदा होगा या नुकसान यह अब चुनावों के बाद पता चल सकेगा। वैसे माना जा रहा है की यह निरस्तीकरण नगरीय क्षेत्रों के मतदाताओं पर एक दबाव बनाने के लिए भी किया गया है जिसके तहत नगरीय निकाय क्षेत्र के मतदाताओं को भय रहेगा की यदि उनके यहां से भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ता है तो उनका आशियाना उजाड़ दिया जायेगा जिसकी वजह से वह भाजपा के ही पक्ष में मतदान करें। वैसे यदि ऐसा है तो इसका फायदा नुकसान अब चुनावों के बाद समझ में आ सकेगा।

मंत्री थे स्वास्थ्य के चला रहे थे राजस्व विभाग...फिर राजस्व मंत्री क्या कर रहे हैं ?

दैनिक घटती-घटना प्रकरण में सभी के जुबान पर यह बात है कि स्वास्थ्य मंत्री का हाथ है पर समझ यह नहीं आ रहा है कि मामला तो राजस्व मंत्री से जुड़ा हुआ है तो क्या राजस्व के मामले में भी स्वास्थ्य मंत्री का पूरा हस्तक्षेप है या फिर राजस्व मंत्री सिर्फ एक मोहरा है या फिर कोई राज्य प्रशासनिक अधिकारी के संपर्क में है राजस्व मंत्री,यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि पूरा मामला राजस्व का है भले ही खबर स्वास्थ्य की छप रही थी पर नुकसान पहुंचाने के लिए क्या राजस्व का सहारा लिया गया?

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,05 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी ?

कलम बंद...का 66 वां दिन

कलम बंद...का 66 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,05 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

?

कलम बंद...का 66 वां दिन

कलम बंद...का 66 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,05 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र...

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पहुंची भारत

» 9 सितंबर 2024 को खेला जाएगा टेस्ट मुकाबला

नई दिल्ली, 05 सितम्बर 2024। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम लंबे अर्से के बाद भारत पहुंच चुकी है। टीम ने आज सुबह ही भारतीय सरजमीं पर लैंड किया। हालांकि न्यूजीलैंड की टीम भारतीय टीम से मुकाबला नहीं खेलेगी। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच एक टेस्ट मुकाबला होना है। अफगानिस्तान की टीम पहले ही भारत आ चुकी है और अब न्यूजीलैंड से आने से मैच की तैयारी और भी जोर पकड़ने जा रही हैं। सीरीज में एक ही टेस्ट होगा, जो नोएडा में 9 सितंबर से शुरू होगा। नोएडा को अफगानिस्तान टीम का होमग्राउंड बनाया गया है।

टिम साउदी कर रहे हैं न्यूजीलैंड की कप्तानी

टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी टिम साउदी कर रहे हैं। टीम में कई ऐसे खिलाड़ी चुने गए हैं, जो भारत में आकर आईपीएल में धमाल मचाते हैं। केन विलियमसन, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और मिशेल सेंटनर के नाम उसमें शामिल हैं। टेस्ट में भले ही अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच हो, लेकिन ये मुकाबला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपिनशिप का हिस्सा नहीं होगा। इसलिए इस मैच की हार जीत से डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल पर कुछ भी असर नहीं होगा।

अफगानिस्तान टीम की तैयारी भी जोरों पर

अफगानिस्तान की टीम पहले ही भारत आ चुकी थी और नोएडा से टीम ने एक मुकाबला भी खेला है, जिसमें टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर नजर आया। टीम की कमान हशमतुल्लाह शाहिदी के हाथ में है। लेकिन टीम को उस वक्त झटका लगा, जब टीम के स्टार खिलाड़ी राशिद खान इस मुकाबले से बाहर हो गए। उन्हें इंजरी है और वे आने वाले कुछ और वक्त के लिए क्रिकेट के मैदान से दूर रहेंगे। हालांकि यहां भी आईपीएल के स्टार खिलाड़ी काफी हैं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी और मुकाबला कांटे का होगा।

अफगानिस्तान की टीमः- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखेल (विकेटकीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अफसर जजई (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद और यामा अरब।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीमः- टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उपकप्तान), डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

एक मैच में 42 छक्के

» टी 20 में बना नया इतिहास

» जो पहले कभी नहीं हुआ वो धाकड़ बल्लेबाज हेटमायर ने कर दिखाया

न्यूगिनी, 05 सितम्बर 2024। कैरेबियन प्रीमियर लीग यानी सीपीएल 2024 के 7वें मुकाबलें में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स बनाम गयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में शिमरोन हेटमायर की तूफानी पारी की बदौलत गयाना अमेजन वॉरियर्स ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को 40 रनों से शिकस्त दी। हेटमायर ने इस मैच में न केवल 91 रनों की तूफानी पारी खेली बल्कि टी 20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया।गयाना के कप्तान इमरान ताहिर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज और केविन सिंक्लेयर ने पारी का आगाज किया लेकिन 25 रन के भीतर काइल मेयर्स ने सलामी जोड़ी को तोड़ दिया। टीम को तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर केविन सिंक्लेयर (17) के रुप में पहला झटका लगा। इसके बाद मैदान पर आए शे होप (12) भी सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गए। वीरासामी परमाउल ने होप का शिकार किया। टीम के 2 विकेट जल्दी गिरने के बाद शिमरोन हेटमायर ने गुरबाज के साथ मोर्चा संभाला और फिर छक्कों की ऐसी बरसात कर डाली कि टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाकर ही दम लिया। हेटमायर ने महज 39 गेंदों पर 91 रनों की धुआंधार पारी खेली और नया कीर्तिमान रच दिया। उन्होंने अपनी तूफानी पारी में 11 गगनचुंबी छक्के जड़े। इस तरह वेस्टइंडीज के इस धाकड़ बल्लेबाज ने ञ20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी नॉमिनेट ही नहीं हुए,21 साल में पहली बार हुआ ऐसा

बेल्जियम,05 सितम्बर 2024। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और न ही लियोनेल मेसी 2024 में बैलन डी ओर पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए 30 उम्मीदवारों की सूची में जगह नहीं बना पाए। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेत कप्तान लियोनेस मेसी ने किसी भी अन्य खिलाड़ी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023) की तुलना में सबसे अधिक बार बैलन डी ओर जीता है।लियोनेल मेसी को पिछले साल आठवीं बार विजेता घोषित किया गया था। तब उन्होंने 2022 के अंत में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप में जीत दिलाई थी। पुर्तगाली दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार (2008, 2013, 2014, 2016 और 2017) ये पुस्कार जीता है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक लगातार क्रिस्टियानो रोनाल्डो या लियोनेल मेसी के नाम ही ये खिताब रहा था।

साल 2018 में क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने ये पुस्कार जीता था। फ्रांस फुटबॉल ने 2024 के लिए बुधवार 4 सितंबर 2024 को सूची जारी की। इसमें जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर, किलियन एमबाप्पे, लैमिन यामल, निको विलियम्स और डेनी ओल्मो जैसे नाम शामिल हैं। पिछले सीजन में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के पास किसी भी अन्य क्लब की तुलना में अंतिम 30 में अधिक उम्मीदवार थे। इस गर्मी में यूरो जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों को अंतिम 30 में नामित किया गया था। जिसमें यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल शामिल थे।

ऋषभ पंत की 20 महीने बाद रेड बॉल क्रिकेट में वापसी

बेंगलुरु, 05 सितम्बर 2024। दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले 5 सितंबर से शुरू हो गए हैं। जिसका पहला मैच इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22-25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।

ऋषभ पंत की रेड बॉल क्रिकेट में वापसी सुखद नहीं रही। उन्होंने चौके से खाता तो खोला, लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच थमा बैठे। पंत 10 गेंद में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आकाश दीप की गेंद पर पंत ने गेंद को बाउंड्री के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। नीचे दिए वीडियो में भी आप शुभमन गिल को पंत का कैच पकड़ते हुए देख सकते हैं।

29 सितंबर को होने वाले बीसीसीआई की बैठक में नहीं होगा सचिव का चुनाव

» नए एनसीए का होगा उद्घाटन

नई दिल्ली, 05 सितम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।

दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है।शाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के लिए बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के नाम पर चर्चा हो सकती है या यह पद नए सचिव को मिल सकता है। लेकिन 69 वर्षीय बिन्नी के लिए उम्र उनके पक्ष में नहीं है क्योंकि प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। इन दो महत्वपूर्ण मामलों के अलावा एजीएम में आईपीएल की संचालन परिषद में आम सभा के दो और भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा।एजीएम में बोर्ड की कुछ नियमित गतिविधियां भी शामिल होंगी जैसे 2024-25 के लिए वार्षिक बजट को स्वीकृति और लोकपाल तथा आचरण अधिकारी की नियुक्ति।

10 रन पर ऑलआउट हो गई टीम

» सिंगापुर ने महज 5 गेंद में जीत लिया मैच

» वर्ल्ड रिकॉर्ड की हुई बराबरी

मंगोलिया, 05 सितम्बर 2024। मंगोलिया टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बड़े स्कोर बनना आम बात हो चली है लेकिन एक टीम ने उल्टी गंगा बहाने का काम किया है। इस टीम ने बड़ा स्कोर बनाने के बजाय टी 20 इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे कम स्कोर बना डाला है। ये टीम है मंगोलिया जिसने सिंगापुर के खिलाफ इतना कम स्कोर बनाया कि वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी हो गई। 5 सितंबर को बंगी में खेले गए इस टी20आई मुकाबले में मंगोलिया की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में महज 10 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह टीम के नाम टी20 आई क्रिकेट का सबसे कम स्कोर बनाने का शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

मंगोलिया टीम के 5 बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल सके। बाकी 6 बल्लेबाजों ने कुल मिलाकर 8 रन बनाए। 2 रन सिंगापुर के गेंदबाज ने एक्स्ट्रा के रुप में मंगोलिया को तोहफे में दिए। मंगोलिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 2 से ज्यादा रन नहीं बना पाया। मंगोलिया के 10 रन के जवाब में सिंगापुर ने महज 5 गेंद में 1 विकेट खोकर 11 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड 10 रन ही था। ये रिकॉर्ड पिछले साल आइल ऑफ मैन देश की टीम ने स्पेन के खिलाफ बनाया था। अब एक इस रिकॉर्ड की बराबरी हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान

» चोट के कारण कप्तान बाहर

» केकेआर के बल्लेबाज को मिली कप्तानी

साउथेम्प्टन,05 सितम्बर 2024। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच इसी महीने 3 मैचों की टी20 आई सीरीज का आगाज होना है। ऐसे में इंग्लैंड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि इस सीरीज से पहले ही मेजबान इंग्लैंड को बड़ा झटका लग गया है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर चोट के कारण इस पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। कप्तान को दाएं पैर की पिंडली में चोट के कारण टीम से बाहर होना पड़ा है। उनकी जगह सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टी 20 टीम में शामिल किया गया है। तीन मैचों की टी 20 सीरीज अगले सप्ताह 11 सितंबर 2024 को साउथेम्प्टन में शुरू होगी।

फिल सॉल्ट संभालेंगे टीम की कमान

बटलर की गैरमौजूदगी में लंकाशायर और केकेआर के फिल साल्ट, जिन्होंने इस सीजन में द हंड्रेड में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की कप्तानी की है, टी 20 टीम की कमान संभालेंगे। इस चोट के कारण इस महीने के अंत में होने वाले वनडे सीरीज में भी बटलर की भागीदारी संदिग्ध मानी जा रही है। टी 20 आई सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड ने वनडे सीरीज के लिए भी अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को बटलर के कवर के तौर पर वनडे टीम में शामिल किया गया है। पांच मैचों की वनडे सीरीज का 19 सितंबर से ट्रेंट ब्रिज में आगाज होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20 आई सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीमः फिल साल्ट (कप्तान) जोफा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्राइडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, जोश हल, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीमः- जोस बटलर (कप्तान), जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, जोश हल, विल जैक्स, मैथ्यू पॉट्स,
आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

इंग्लैण्ड व्हीएस ऑस्ट्रेलिया 20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी20: इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, बुधवार 11 सितंबर 2024, यूटिलिटा बाउल (शाम 6.30 बजे)
दूसरा टी20: इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, शुक्रवार 13 सितंबर 2024, सोफिया गार्डन (शाम 6.30 बजे)
तीसरा टी20: इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, रविवार 15 सितंबर 2024, एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड (दोपहर 2.30 बजे)

इंग्लैण्ड व्हीएस ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज का शेड्यूल

पहला वनडेः इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, गुरुवार 19 सितंबर 2024, ट्रेंट ब्रिज, (दोपहर 12.30 बजे)
दूसरा वनडेः इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, शनिवार 21 सितंबर 2024, हेडिंग्ले (सुबह 11.00 बजे शुरू)
तीसरा वनडेः इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, मंगलवार 24 सितंबर 2024, सीट यूनिक रिवरसाइड (दोपहर 12.30 बजे)
चौथा वनडेः इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, शुक्रवार 27 सितंबर 2024, लॉर्ड्स (दोपहर 12.30 बजे)
पांचवां वनडेः इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, रविवार 29 सितंबर 2024, सीट यूनिक स्टेडियम (सुबह 11.00 बजे)

टीचर और स्टूडेंट के रिश्ते पर बेस्ड हैं ये फिल्में

शिक्षक दिवस हर साल 5 सितंबर को समाज में शिक्षकों के योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है जो एक दार्शनिक, लेखक और भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे। शिक्षक और छात्र के बीच का रिश्ता बहुत खास होता है। शिक्षक अपने छात्रों के जीवन को सफल बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बॉलीवुड ने अपनी कई फिल्मों में इस रिश्ते को बहुत अच्छे से पेश भी किया है। गुरु और शिष्य के रिश्ते पर कई हिट फिल्में बन चुकी हैं।

सुपर 30 (2019)
यह फिल्म आनंद कुमार के जीवन पर आधारित है जो एक गणितज्ञ हैं और गरीब छात्रों के लिए एक निःशुल्क कोचिंग संस्थान चलाते हैं। फिल्म में आनंद कुमार की भूमिका ऋतिक रोशन ने निभाई है और फिल्म में मृणाल ठाकुर और पंकज त्रिपाठी भी हैं।

तारे जमीन पर (2007)
यह फिल्म एक डिस्लेक्सिक बच्चे की कहानी बताती है जिसे उसके कला शिक्षक उसकी सीखने की कठिनाइयों को दूर करने में मदद करते हैं। आमिर खान ने इस फिल्म का निर्देशन और अभिनय किया है, जिसमें दर्शील सफारी और टिस्का चोपड़ा भी हैं।

पाठशाला (2010)
शाहिद कपूर, नाना पाटेकर और आएशा टाकिया की शानदार फिल्म पाठशाला टीचर स्टूडेंट की खास बॉन्ड पर बनी है। फिल्म में जब शाहिद स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ जाकर बच्चों की मदद करता है।

हिचकी (2018)
इस फिल्म में रानी मुखर्जी ने टॉरेट सिंड्रोम से पीड़ित एक शिक्षिका की भूमिका निभाई है जो गरीब बच्चों को पढ़ाने का फैसला लेती है। फिल्म को आलोचकों और दर्शकों दोनों से काफी अच्छे रिव्यू मिले हैं।

ब्लैक (2005)
यह फिल्म एक अंधी और बहरी लड़की और उसके शिक्षक के बीच के रिश्ते पर बेस्ड है जो उसकी विकलांगता की बाधाओं को तोड़ने में उसकी मदद करता है। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रानी मुखर्जी और अमिताभ बच्चन ने अभिनय किया है।

इकबाल (2001)
यह फिल्म एक गूंगे-बहरे लड़के क्रिकेटर और उसके गुरु पर बेस्ड है जो उसे जिंदगी में सफल बनने में मदद करता है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह ने गुरु की भूमिका निभाई है जो इकबाल को भारतीय क्रिकेट टीम में खेलने के उसके सपनों को पूरा करने में उसका मार्गदर्शन करते हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा)/ सक्षम प्राधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्रं. /अ-2/2023-24

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-नमदगिरी को सूचित किया जाता है कि आवेदिका निशा वर्मा आ0 श्री गया प्रसाद वर्मा,जाति कोरी, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम नमदगिरी, प.ह.न. 07 रा.नि.मं. बसदेई तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1247/7 रकबा 0.026 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति तो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 18/09/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 03/09/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी, भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0

-:: ईश्तहार ::-

आगामी तिथि 19/09/2024

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिए सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक वेदप्रकाश अग्रवाल,भीमसेन अग्रवाल आ0 स्व0पालूराम अग्रवाल, उम्र लगभग 50 वर्ष द्वारा अपने माता स्व.बहूती देवी पति स्व. पोलूराम अग्रवाल के स्वामित्व व अधिपत्य की भूमि खसरा 1834/2, 1835/2, 2913 में से रकबा 2 3/4x290 वर्गफीट का पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 07.12.2012 के अनुसार नामांतरण करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/09/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी, सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202406020700029

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्:-2023-2024
मणीपुर प.ह.न. 00022
(234/1(0.0405हे0))
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-गीता खलखो
अनावेदक पक्षकार-जगन ऊर्फ चिंतामणि

-:: ईश्तहार ::-

आवेदिका श्रीमती गीता खलखो पत्नी आनंद कुमार खलखो, निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 234/1 रकबा 0.147 हे0 भूमि को पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30.09.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2024 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बैज, तहसीलदार, तहसील अम्बिकापुर

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 66 वां दिन

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें कलेक्टर विलास भोसकर जी?

क्यूं न लिखें सच?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...स्पष्टीकरण देना पड़ेगा?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)